नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

# महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

## जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 04.09.2018

# प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, में दादा भाई नौरोजी जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि दादा भाई नौरोजी पहले भारतीय थे जो शिक्षा ग्रहण करने के बाद गणित और भौतिक विज्ञान के असिस्टेन्ट प्रोफेसर बने। यह उस समय तक भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च शैक्षिक पद था। लोग उन्हे श्रद्धा वश वयोवृद्ध नेता के नाम से स्मरण करते थे। उन्होंने अंग्रेजो की आर्थिक शोषण नीति का कड़ा विरोध किया। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '**ड्रेन आफ वेल्थ**' के माध्यम से उन्होंने पहली बार भारत से धन बर्हिगमन की बात जनता के सामने रखी। दादाभाई सदा ब्रिटिश सरकार पर जोर डालते रहे कि भारत में संवैधानिक सुधार लागू किये जायें तथा '**फूट डालो और शासन करो**' नीति का परित्याग कर दिया जाय। 1853 में उन्होने ईस्ट इण्डिया कम्पनी के लीज के नवीनीकरण का दृढ़ता पूर्वक विरोध किया। वे सदैव नरम विचारों के ही पक्षपाती रहें। उन्होने अंग्रेजी राज्य की आर्थिक शोषण की नीतियों को उजागर किया और कहा कि ब्रिटिश प्रशासन दिन प्रतिदिन भारत को लूटने में लगी है और इसी कारण देश निर्धनता की ओर अग्रसर होता जा रहा है। उन्होने अपनी महत्वपूर्ण पुस्तक '**इण्डिया एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया (1901)**' में प्रमाणिक तथ्यों से अपने सिद्धांत को पुष्ट किया। उनके बारे गोपाल कृष्ण गोखले ने तो यहॉ तक कहा था – 'यदि मनुष्यों में कहीं देवता है तो वह दादाभाई ही है।'

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. विजय चौधरी, डॉ. प्रवीन्द्र शाही, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, श्रीमती पुष्पा निषाद, श्री सुबोध मिश्र, डॉ. सौरभ सिंह सहित शिक्षक विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी